IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

रीवा नगर में स्थित कोठी कम्पाउण्ड

शोध निर्देषक . आर.एन. तिवारी
शोध छात्रा. दीपमाला मिश्रा
एमण्फिल. (2) सेमेस्टर
शा. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा ;म.प्र.)

सारांश

किसी भी शुभ कार्यए सृजन कार्यए पूजा कार्य और सजावट के लिए फूलों का होना उनकी गुणवत्ता से ही समझ आ जाता है जिले के कोठी कम्पाउड में बिकने वाली इकाइयों में फूलों की मंाग भी काफी मात्रा में है इन फूलों को प्राप्त करने के लिए इनसे रीवा नगर में स्थापित उद्यान की विषेष प्रकार की भूमिका है।

और इनसे अनेक प्रकार के फूल प्राप्त होते हैं। उत्पादन से प्राप्त सजावटी फूल का कोई भी कार्यक्रम में सजाने के लिये भारी मात्रा में फूल का उपयोग किया जाता हैं। जो कोठी कम्पाउण्ड दुकानों से आसानी से प्राप्त हो जाता है।

फूल व्यवसाय के करने के लिए इसके लिये सरकार की योजनाए एवं कृषि विभाग की तकनीकों के माध्यम से भी इसका प्रबंधन एवं विपणन और विक्रय का कार्य समय.समय पर किया जाता है। जो आज के आधुनिक परिवेष में फूलों का अपना एक अलग महत्व है।

आज की भागदौड़ की दिनचर्या में लोंगों को तनाव से मुक्त करने के लिए फूल का अपना विषेष महत्व है।

प्रस्तावनाः. रीवा नगर में स्थित कोठी कम्पाउण्ड में बिकने वाले फूलों की मांग काफी मात्रा में हैं इन फूलों की आवक को ज्यादातर रीवा नगर में स्थापित उद्यान की विषेष प्रकार की भूमिका हैं और इनसे अनेक प्रकार के फूल प्राप्त होते हैं। प्राप्त सजावटी फूल का कोई भी उपयोग किया जाता है जो कोठी कम्पाउण्ड दुकानों से आसानी से प्राप्त हो जाता है।

फूल व्यवसाय के करने के लिए इसके लिये सरकार की योजनाएं एवं कृषि विभाग की तकनीकों के माध्यम से भी इसका प्रबंधन एवं विपणन और विक्रय कार्य समय.समय पर किया जाता हैए जो आज के आधुनिक परिवेष में फूलों का अपना एक अलग महत्व हैं।

आज की भागदौड़ की दिनचर्या में लोंगों को तनाव से मुक्त करने के लिए फूल का अपना विशेष महत्व हैं। आज के परिवेश में स्वच्छ और सुन्दर एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए फूलों के बिना संभव नही हो सकता हैं। इस लिये हमें अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों एवं पर्यावरण के अनुकूल फूलों का रोपण करना चाहिए। आधुनिक परिवेश में जहां तेजी से बढ़ती हुई जनसंख्या एवं तेजी से हो रहे विकास एवं शहरीकरण के कारण कृषि क्षेत्र का तेजी से घटता आकड़ा एवं तेजी से बदलता परिवेश एवं आधुनिक युग की जीवन शैली हमारे मन मस्तिष्क एवं शरीर अपना अलग ही प्रभाव छोड़ते हैं। इन सभी कारणों से देखा जाय तो बिना प्रकृति को साथ लिये हम अपना कोई भी कार्य सही ढंग से कर पाने में सक्षम नही हो सकते।

रीवा स्थिति कोठी कम्पाउण्ड में संचालित फूलों की दुकानों में सम्पूर्ण सजावटी फूलों का विक्रय किया जाता है और उनसे आर्थिक लाभ भी पर्याप्त मात्रा में होता है और उनसे होने वाली आर्थिक उपज का फायदा भी सरकार को अच्छा होता है।

अध्ययन का महत्वः. कोठी कम्पाउण्ड रीवा में विभिन्न किस्मों के फूलों के विक्रय का विषेष महत्व हैं। ग्लेडीयोलस गुलाबए गेदा जैसे कई फूलों की खेती करते हैं। सबसे बढ़िया कमाई ग्लेडीयोलस से होती है यह पांच माह में तैयार हो जाता है और एक बार की फसल में 2 से 3 लाख की कमाई हो जाती है। वो आगे बताते हैं कि ग्लेडीयोलस उनकी खेती उन किसानों के लिए एक अच्छा अवसर हैं।

अध्ययन उदेश्यरू. रीवा नगर के कोठी कम्पाउण्ड में संचालित पुष्प व्यवसाय में लगे व्यवसायियों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन ज्ञात करना हैं। शोध पूर्ण होने पर यह ज्ञात हो सकेगा कि इनके सामने कौन सी समस्याएं आती है और निवारण के क्या उपाय हैं।

परिकल्पनाः. कोठी कम्पाउण्ड क्षेत्र में फूल व्यवसाय में संलग्न व्यवसायियों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की नही हैं। शोध पूर्ण होने पर यह स्पष्ट हो सकेगा कि इनके रहन.सहन शिक्षा.दीक्षा एवं इनकी आर्थिक वास्तविक स्थिति क्या है यह ज्ञात हो सकेगा साथ ही इनके सामाजिक स्तर का भी पता लगाया जा सकेगा।

पूर्व साहित्य के अध्ययन की समीक्षा

प्रियंका मिश्रा शोध पत्र.2014ः. फूलों के व्यवसायों में आर्थिक स्थिति के साथ सामाजिक स्थिति का भी विवरण प्रस्तुत किया है।

कृष्ण कुमार परिहारः. फूलों के व्यवसायों के आर्थिक स्थिति का अध्ययन 2015 विशेषकर जिले के संदर्भ में अपने लघु शोध प्रबंध के पृष्ठ क्रमांक 41 में फूलों के व्यवसायों की स्थिति का संपूर्ण व्यौरा प्रस्तुत किया है।

शोध का क्षेत्रः. रीवा स्थित कोठी कम्पाउण्ड में स्थापित जो फूलों का विक्रय किया जाता है उनमें आर्थिक लाभ भी पर्याप्त मात्रा में होता है और उनसे होने वाली आर्थिक उपज का फायदा भी सरकार को अच्छा होता है। कोठी कम्पाउण्ड रीवा में विभिन्न किस्मों के फलों के विक्रय का विषेष ध्यान दिया जाता है हमें ग्लेडीयोलस गुलाबए गेदाए जैसे कई फूलों की खेती करते हैं। सबसे बढ़िया कमाई ग्लेडीयोलस से होती है फूलों की किस्मों के आधार पर विक्रय लाभ प्राप्त होता है।

शोध प्रविधिः. ज्ञान के क्षेत्र में शोध कार्य अपरिहार्य है। शोध कार्यि द्वारा उन प्रष्नों का उत्तर जानने का प्रयास किया जाता है जिनका समाधान उपलब्ध नही है। वर्तमान युग में शोध या अनुसंधान का अत्यधिक महत्व है क्योकि किसी भी क्षेत्र से संबंधित तथ्यों का प्रमाणीकरण नवीनीकरण एवं सत्यापन अनुसंधान के द्वारा ही किया जा सकता है।

शोध कार्य में कोठी कम्पाउण्ड फूलों के व्यावसाय में शीतगृह की स्थापना और आस.पास पहले से बने शीतगृह का उपयोग जिससे फूलों का रख.रखाव आसानी से हो सके।

तथ्यों का विश्लेषणः. सामान्यतः देखा जाय तो यह समस्याएँ सभी कच्चे विक्रय सामग्री पर आती है क्योकि यह सभी अल्पकालीन बाजार की वस्तुएँ हैं। फिर भी इस व्यवसाय में कोठी कम्पाउण्ड में बनी दुकानों के व्यवसायियों को पर्याप्त लाभ प्रदान कर रही हैं और लगातार दुकानों की संख्या में वृद्धि होती जा रही है।

प्रस्तुत शोध पत्र में कोठी कम्पाउण्ड में पुष्प व्यापारियों में सामाजिक आर्थिक परिवर्तन एवं चुनौतियों के बारे में जानकारी एकत्र की गयी है। परिवार समाज की प्रथम इकाई एवं मनुष्य की प्रथम पाठशाला होती है। दलित युवाओं में भी परिवार का विषेष महत्व होता है। परिवार का स्वरूप अर्थात् उसका छोटा या बड़ा होने पर युवाओं पर कार्यभार में अंतर आता हैए जिसका युवाओं के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ता है। मैंने अपने क्षेत्र के उत्तरदाताओं से परिवार के स्वरूप के सम्बंधी जानकारी प्रश्न के माध्यम से की जिसे सारणी क्रमांक 1 में दर्षाया गया है।

सारिणी क्रमांक.1

परिवार का स्वरूप

क्रमांक	परिवार का रूवरूप	आवृत्ति	प्रतिशत
1	संयुक्त	32	64
2	एकांकी	18	36
योग	50	100	

प्राप्त उत्तरों से पता चलता है कि 64 प्रतिषत उत्तरदाता संयुक्त परिवार में निवास करते हैं। संयुक्त परिवार में कार्यभार की अधिकता तथा आर्थिक कार्यो में संलग्नता के कारण शारीरिक श्रम में वृद्धि होती है। इसके कारण उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। 36 प्रतिशत उत्तरदाता एकांकी परिवार में निवास करती है। पोषण के अभाव में उनका स्वास्थ्य भी बहुत अच्छा नही है।

शिक्षा और स्वास्थ्य परस्पर संबंधित है शिक्षित व्यक्ति के प्रति जागरूक होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। रीवा कोठी कम्पाउण्ड की पिछड़ी हुई जनजाति है जिसमें शिक्षा का स्तर निम्न पाया जाता है। फिर भी उसमें शिक्षा संबंधी प्रश्न पूछे गये है। प्राप्त उत्तर को सारणी क्रमांक 02 में प्रस्तुत किया गया है।

सारिणी क्रमांक.2

शैक्षणिक स्तर का विवरण

क्रमांक	शैक्षणिक स्थिति	आवृत्ति	प्रतिशत
1	शिक्षित	14	28
2	अशिक्षित	36	72
	योग	50	100

उत्तरदाताओं से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 14 अर्थात् 28 प्रतिशत युवा शिक्षित हैं। 36 प्रतिशत अर्थात 72 प्रतिशत युवा अशिक्षित हैं। रीवा कोठी कम्पाउण्ड में शिक्षा के प्रति जागरूकता आयी तथा रूढ़िवादिता धीरे.धीरे कम होती जा रही हैं।

परिवार का स्वरूप तथा शिक्षा की स्थिति के पश्चात् मैने अपने न्यायदर्शो से उनके स्वास्थ्य के संबंध में तथ्य एकत्र किये। प्राप्त आंकड़े सारणी क्रमांक 03 दर्शाये गये हैं।

सारिणी क्रमांक.3

स्वास्थ्य संबंधी विवरण

क्रमांक	स्वास्थ्य हैं	आवृत्ति	प्रतिशत
1	अच्छा	19	38
2	खराब	31	62
	योग	50	100

प्राप्त उत्तरों से स्पष्ट है कि 31 प्रतिशत अर्थात् 62 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने स्वयं के स्वास्थ्य खराब होने के बारे में सहमति जताई है। कमजोर अल्पकालीन तथा अन्य बिमारियों के बने रहने के बारे में स्वीकृति व्यक्त की हैं।

इस अस्वस्थ्यता के लिये वे अनेकानेक कारण बताते हैं। 38 प्रतिशत उत्तरदाता स्वस्थ है तथापि कम आयु वर्ग की है। स्वस्थ्य शरीर मानव के लिये मूल्य निधि है रीवा कोठी कम्पाउण्ड व्यापारी के अस्वस्थ्य होने की दशा में स्वास्थ्य लाभ हेतु क्या करते हैं इस हेतु मैने प्रश्न के माध्यम से जानकारी प्राप्त की प्राप्त आंकड़े सारणी क्रमांक 04 में प्रदर्शित है।

सारिणी क्रमांक.4

अस्वस्थ्यता की दशा में किये जाने वाले उपचारों का विवरण

क्रमांक	किये जाने वाले उपाय	आवृत्ति	प्रतिशत
1	घरेलू उपाय	13	26
2	वैद्यध्हकीम के पास जाते हैं	15	30
3	झाड़ध्फूॅक व ताबीज करवाते हैं।	12	24
4	डॉक्टर के पास जाते हैं।	10	20
	योग	50	100

प्राप्त तथ्यों से स्पष्ट है कि अस्वस्थयता की दशा में 13 प्रतिशत अर्थात 26 प्रतिशत न्यादर्श घरेलू उपचार करते हैं। 15 प्रतिशत अर्थात् 30 प्रतिशत न्यादर्श वैद्य या हकीम के पास जाते हैं। 12 प्रतिशत अर्थात् 24 प्रतिशत न्यादर्ष बीमारी में झाड़फूॅक व ताबीज करवाते हैं।

मात्र 10 प्रतिशत अर्थात 20 प्रतिशत उत्तरदाता ही डॉक्टर के पास जाते हैं। अर्थात् 80 प्रतिशत सूचनादाता डॉक्टर के पास जाने के अतिरिक्त अन्य उपचार व उपायों को अपनाते है जो उनके स्वास्थ्य का और खराब करने में सहायक होते हैं। डॉक्टर के पास जाने के लिये उनको फीस को चुका पाने में व स्वयं को असमर्थ बताते हैं साथ ही परिवार में इसका प्रचलन भी कम है। ये दशाये उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ाने में सहायक है झाड़ फूॅक तंत्र मंत्र तथा घरेलू उपाय स्वास्थ्य के लिये बहुत सकारात्मक परिणाम नही देते यह एक चिंतनीय पक्ष हैं।

निष्कर्षः. सामान्यतया फूल बड़े नाजुक व कच्चा व्यापार माना जाता है यदि पौधा से अलग होने के एक दिन के अन्दर यह विक्रय नही हो पाते तो या तो पूरी तरह से खराब हो जाते है या सूख जाने से इनकी बिक्री नही हो पाती। महत्वपूर्ण इसके रख.रखाव की समस्या आती है। यदि इस फूलों को फ्रिज मे रख दिया जाय तो यह 1.4 दिन तक आसानी से रख सकते हैं। यदि प्रत्येक व्यवसायी फ्रिज की व्यवस्था नही कर सकता हो सामूहिक रूप से शीतगृह मे भण्डारण करना चाहिए। फूलों में किस्मों के आधार पर विक्रय लाभ प्राप्त होता है। कभी.कभी फूलों की आवक में जल्दी खराब होने वाली किस्मों के फूल प्राप्त हो जाता है। शोधित बीजों से उगे फूलों में महक व टिकाउपन अधिक होता है। सरकार के माध्यम से उन किसानों को

फूलों की रोपाई के समय बीज व पौधों की किस्में उपलब्ध कराई जाय। जिससे उत्पादन भी अच्छा होगाए और विक्रय से लाभ भी प्राप्त हो सकेगे। फूलों की आवक की समस्या कभी.कभी दुकानदारों को परेशानी में डाल देती हैं।

सुझावः.

1. सरकार के माध्यम से उन किसानों को फूलों की रोपाई के समय बीज व पौधों की किस्में उपलब्ध कराई जाए।
2. पुष्प व्यापार को कुशल बनाना चाहिए।
3. यदि प्रत्येक व्यवसाय फ्रिज की व्यवस्था नही कर सकता हो तो सामूहिक रूप से शीतगृह की व्यवस्था करनी चाहिए।